

शरद पूर्णिमा

चांदनी, खीर
और आस्था का पर्व



नीचे स्क्रॉल कर पढ़ें शरद पूर्णिमा का महत्व
व्रत कथा और क्यों मनाया जाता है ये पर्व

क्या है शरद पूर्णिमा?



आश्विन मास की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं
इसे कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा भी कहा जाता है
मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से पूर्ण होता है
यहीं से शरद ऋतु का आगमन माना जाता है



16 कलाओं' का वास्तविक अर्थ क्या है?

भारतीय दर्शन, उपनिषदों और तंत्र साहित्य में 'कला' का अर्थ केवल प्रकाश का भौतिक टुकड़ा नहीं, बल्कि ऊर्जा, गुणों और चेतना के 16 स्तर माने गए हैं (जैसे: अमृता, मानदा, पुष्टि, तुष्टि, धृति, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति आदि)।

ज्योतिषीय व आध्यात्मिक मान्यता के अनुसार, अमावस्या से लेकर पूर्णिमा तक चंद्रमा के प्रकाशित भाग का जो विभाजन होता है, पूर्णिमा की रात वह अपनी 16वीं कला (पूर्णमृत/अमृत कला) तक पहुँचकर संपूर्णता को प्राप्त कर लेता है। इसी को "16 कलाओं से परिपूर्ण होना" कहा जाता है।

क्यों मनाते हैं?

मान्यता के अनुसार

इसी दिन समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं
इस रात श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ महारास रचाया था
चंद्रमा की किरणों में इस रात अमृत का वास माना जाता है





patrika

राजस्थान पत्रिका | पत्रिका

कोजागरी की कथा

'कोजागरी' का अर्थ है
"को जागर्ति?" यानी
"कौन जाग रहा है?"

मान्यता है कि इस
रात मां लक्ष्मी पृथ्वी
पर भ्रमण करती हैं
जो भक्त जागकर
उनका स्मरण करता
है, उस पर उनकी
कृपा मानी जाती है
इसलिए
इस रात जागरण
की परंपरा है



व्रत कथा

एक साहूकार की दो बेटियां थीं,
दोनों पूर्णिमा का व्रत रखती थीं

बड़ी बेटी पूरा व्रत करती, छोटी अधूरा छोड़ देती
कथा के अनुसार छोटी बेटी की संतान जीवित नहीं रहती थी
बड़ी बहन के पुण्य से उसकी संतान को जीवन मिला
तब से पूरे विधि-विधान से व्रत की परंपरा मानी जाती है



कैसे मनाएं?

सुबह स्नान कर व्रत
का संकल्प लें
मां लक्ष्मी और चंद्रदेव
की पूजा करें
रात को चंद्रमा को अर्घ्य दें
खीर बनाकर रातभर
चांदनी में रखें
अगली सुबह खीर को
प्रसाद रूप में ग्रहण करें

मान्यता है कि

चांदनी में रखी खीर अमृत समान हो जाती है
इसे ग्रहण करने से अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है
जागरण और पूजा से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है
इस रात चंद्र दर्शन को शुभ माना गया है
चांदनी में सुई में धागा डालने से आंखों की
रोशनी बढ़ती है





चांदनी सी शीतलता और खीर सी मिठास,
आपके जीवन में अमृत के समान बनी रहे।

शरद पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

